aircraft carrier एडमिरल गोर्शकोव लेने का निर्णय लिया था। उस समय यह बताया गया था कि रूस का यह एयरक्राफ्ट कैरियर भारत को भेंट करेगा। केवल उसमें कुछ मरम्मत करने, refitting करने के लिए कुछ पैसा लगेगा। प्रारम्भ में यह अनुमान लगाया गया था कि एयर क्राफ्ट कैरियर की मरम्मत पर 947 मिलियन अमेरिकन डालर का खर्च आएगा, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि अब इसकी कीमत बढ़कर दो बिलियन अमेरिकन डालर हो गई है, जो प्रारम्भिक कीमत से दो गुणी से भी ज्यादा है। इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि एडमिरल गोर्शकोव का जीवन बीस वर्ष है और 2017 से पहले यह आपरेशनल नहीं हो पाएगा, जबकि नया एयर क्राफ्ट कैरियर गोर्शकोव से 60 परसेंट कम कीमत में बन जाएगा और उसका जीवन चालीस वर्ष होगा और उसके तैनात होने में मात्र दस वर्ष लगेंगे।

इसलिए महोदय, जैसा सी.ए.जी. ने साफ किया है कि यह एक गम्भीर अनियमितता है और देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। मैं आपके माध्यम से इस विशेष उल्लेख के जरिए सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए, इस पूरे प्रकरण की जांच की मांग करता हूं।

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

श्री श्रीगोपाल व्यास (छत्तीसगढ़) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

Demand for overall development of Railway network in Orissa

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा) : उपसभाध्यक्ष महोदय, यह घोर दुर्भाग्य की बात है कि उड़ीसा रेल के मामले में भी बहुत ही अवहेलित है। ब्रिटिश जमाने से बंगाल, उड़ीसा और बिहार वर्षों तक एक प्रेसिडेंसी में रहे हैं। आज अगर उस सन्दर्भ में देखेंगे, तो बिहार और बंगाल की तुलना में उड़ीसा में रेल का उतना विकास नहीं हो पाया है। इस आधार पर वहां के लोगों में एक असन्तोष पैदा होना स्वाभाविक-सा है।

अतः मैं माननीया रेल मंत्री तथा केन्द्र सरकार से यह मांग करता हूं कि राज्य के प्रति तुरन्त विशेष ध्यान दिया जाए। कम से कम पूर्व रेल मंत्री ने फरवरी 2009 को अंतरिम रेल बजट भाषण में, इस सभा में जो तीन घोषणाएं की थीं, अर्थात् तालचर-संबलपुर रेलवे लाइन का दोहरीकरण का सर्वे, देलांग-पुरी का दोहरीकरण का कार्य एवं तालचर रोड-अंगुल स्टेशन के बीच बाल्को नगर में एक पैसेंजर हॉल्ट की स्थापना का काम जल्दी से जल्दी शुरू कर दिया जाना चाहिए। तालचर-बिमलगढ़ रेल लाइन को जल्दी पूरा करने से भुवनेश्वर से राउरकेला की दूरी में बहुत कमी आ जाएगी और यह मार्ग आयरन ओर और कोयला परिवहन के काम को भी सरल कर देगा। उसी प्रकार से अंगुल-सुकिंदा के काम को भी जल्दी से जल्दी पूरा किया जाना चाहिए। तालचर से अंगुल तक एक लूप लाइन बनाने से पुरी और भुवनेश्वर से जाने वाली एवं उस दिशा को आने वाली सभी ट्रेनें सीधी आना-जाना कर पाएंगी। इंजन के फेस चैंज हेतु समय भी नहीं बर्बाद करना पड़ेगा, जैसा कि अभी होता है। तालचर में कोयले का भंडार है, इस लूप लाइन से कोयले के परिवहन का काम भी सरल हो जाएगा।

महोदय, अंगुल और ढेंकानाल उड़ीसा के दो प्रमुख जिला केन्द्र हैं, जहां पर अब प्रदेश का सर्वाधिक औद्योगिकरण हो रहा है। अतः मेरी यह प्रार्थना है कि इन दोनों स्टेशनों का सर्वांगीण विकास करवाया जाए एवं दोनों स्टेशनों पर सभी ट्रेनों का स्टॉपेज रखा जाए। मैं ढेंकानाल जिले के पहले पैसेंजर हॉल्ट जोरंदारोड से लेकर संबलपुर सिटी तक सभी स्टेशनों के सर्वांगीण विकास हेतु सरकार से पुरजोर मांग करता हूं।

श्री भागीरथी माझी (उड़ीसा) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री रघुनन्द शर्मा (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री श्रीगोपाल व्यास (छत्तीसगढ़) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।